एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

सोमवार, 9 मार्च 2026

PAGE NO 3 : BOTTOM

शिशु मृत्यु दर कम करने में मेडिकल कॉलेजों की भी जिम्मेदारी कम नहीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: दूसरे देशों की तुलना में अभी हम बच्चों के इलाज में काफी पीछे हैं। इसके लिए नवजात की पूरी जांच न होना और उनकी अनदेखी भी एक बड़ा कारण है। शिशु मृत्यु दर कम करने और उन्हें उचित उपचार मुहैया करने में सरकार की भूमिका तो महत्वपूर्ण है ही, लेकिन इसमें मेडिकल कालेजों की जिम्मेदारी भी कम नहीं। यह बात चेयरमैन देव मूर्ति ने एसआरएमएस की ओर एक रिसोर्ट में आयोजित दो दिवसीय पीडियाट्रिक एवं नियोनेटल अपडेट कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर कही।

पीडियाट्रिक्स एवं नियोनेटोलाजी विभाग की ओर से शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे रजिस्ट्रेशन के साथ कार्यशाला आरंभ हुई। इसमें डिकोडिंग चाइल्डहुड 'अणु से आरोग्य तक' थीम पर अत्याधुनिक जनेटिक्स, पीडियाट्रिक्स और नियोनेटोलॉजी से संबंधित विषयों

एसआरएमएस में कार्यशाला में मौजूद एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति के साथ उपस्थित कॉलेज के अन्य लोग। ● अमृत विचार

- एसआरएमएस में पीडियाट्रिक एवं नियोनेटल अपडेट कार्यशाला में बोले देवमूर्ति

पर देश के चुनिंदा बाल रोग विशेषज्ञों ने विमर्श किया और व्याख्यान दिया।

एसजीपीजीआई की पूर्व विभागाध्यक्ष डा.शुभा फड़के ने जेनेटिक मेडिसिन और मॉलिक्यूलर मेडिसिन को इलाज में महत्वपूर्ण बताया। डॉ.एमएस बुटोला ने मेडिकल कालेज में जल्द स्थापित होने वाली दो ट्रामा यूनिट के बारे में बताया। कहा कि इससे गंभीर मरीजों को तत्काल और बेहतर इलाज मिलेगा। डॉ.अतुल कुमार ने आभार जताया। डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, डॉ.आरपी सिंह, डॉ. बिंदु गर्ग, डॉ. प्रेम कुमार, चेयरपर्सन डॉ. संध्या चौहान, डॉ.गुंजन अग्रवाल, डॉ.अर्चिता द्विवेदी, डॉ.सुरभि चंद्रा, डॉ.अमृत अग्रवाल, रूबी अहलावत आदि मौजूद रहे।